• गायों की पूजा...

गोवर्धन पूजा...

दिवाली पर्व के अगले ही दिन गोवर्धन पूजा का उत्सव मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन गोवर्धन पूजा का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन गोधन यानी गायों की पूजा करने की परंपरा है। गोवर्धन पूजा को अन्नकूट उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। शास्त्रों की मानें तो द्वापर युग से ही गोवर्धन पूजा होती आ रही है। जानते हैं साल 2020 में गोवर्धन पूजा किस दिन की जाएगी और पूजा का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा।

गोवर्धन पूजा पर्व तिथि : रविवार, 15 नवंबर 2020

गोवर्धन पूजा सायं काल मुहूर्त : दोपहर बाद 3 बजकर 19 मिनट से शाम 5 बजकर 27 मिनट तक

प्रतिपदा तिथि प्रारंभ : सुबह 10 बजकर 36 मिनट से

प्रतिपदा तिथि समाप्त : 07 बजकर 05 मिनट (16 नवंबर 2020) तक।

गोवर्धन पूजा करने के पीछे धार्मिक मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण इंद्र देव का अभिमान चूर

करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर उठाकर गोकुल वासियों की इंद्र के रौद्र रूप से रक्षा की थी। माना जाता है कि इसके बाद भगवान कृष्ण ने स्वंय कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के दिन 56 भोग बनाकर गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का आदेश दिया दिया था। इसके बाद से ही गोवर्धन पूजा की प्रथा शुरू हुई जो आज भी कायम है। हर साल गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का त्योहार मनाया जाता है।

इस दिन अन्नकूट बनाकर गोवर्धन पर्वत और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। इस दिन धन दौलत, गाड़ी, अच्छे मकान के लिए कृष्ण जी और मां लक्ष्मी को प्रसन्न किया जाता है ताकि नौकरी या व्यापार में खूब तरक्की मिल सके।

अन्नकूट पर्व मनाने से मनुष्य को लंबी आयु तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है साथ ही दरिद्रता का नाश होकर मनुष्य जीवनपर्यंत सुखी और समृद्ध रहता है। ऐसा माना जाता है कि यदि इस दिन कोई मनुष्य दुखी रहता है तो वह वर्षभर दुखी ही रहेगा इसलिए हर मनुष्य को इस दिन प्रसन्न रहकर भगवान श्रीकृष्ण को प्रिय अन्नकूट उत्सव को भक्तिपूर्वक तथा आनंदपूर्वक मनाना चाहिए।

• अपनी बात

मन व्यवस्थित होगा..तभी चमक होगी...

दीपावली का दिन आ चुका हैं। यह सालाना काम है। हम जो बात यहां करने जा रहे हैं वह एक नई शुरूआत की है। बीते कुछ दिनों से हम जीवन के हर कोने में चमक लाने की सोच पाले बैठे हैं। इस शुरूआत के लिए लचर नियमों की तोड़-फोड़ और नए नियमों का निर्माण करना होगा। यह जरूरी है कि जो भी काम किया जाए उसमें पूरी इच्छा शामिल हो। फिर जो लक्ष्य इससे हासिल होगा वह अद्भुत होगा। एकदम नया रोडमैप तैयार होगा... साफ-सुथरा और व्यवस्थित। वैसे साफ-सुथरा और व्यवस्थित यह शब्द ही बहुत प्रबल है और हमारी जिंदगी में बहुत महत्व रखता है। अगर किसी भी काम में खरा उतरना है, तो क्यों न शुरूआत यहीं से करें। मन व्यवस्थित होगा तो काम भी अच्छा होगा। अगर काम को नए सिरे से शुरू करना है तो काट-छांट तो करनी ही पडेगी। यही काट-छांट तो हमें दीपावली से करनी है। हमें यह चमक तभी मिल सकेगी अगर हम घर के भीतर से लेकर बाहर तक के कचरे को भी उसी मन से साफ करेंगे। यह अलग बात है कि हम सबका यह हाल है कि अगर स्वर्ग में भी पहुंच जाएं, तो कहेंगे यही कि स्वर्ग तो है मगर...। खुशियों पर यकीन कम आता है, संदेह के साए मंडराते रहते हैं, जो पाया उस पर जाहिर है, जो पा सकते हैं उसकी कुव्वत पर भी। जो पाया उस पर भी यकीन ना करना, जहां नेमत की बेक़दी है, वहीं खुद की काबिलियत पर शुबाह कमजोरी की निशानी है। संतुलन कहां है। संतुलन यानी हासिल का यकीन और काबिलियत का इत्मीनान। कहने का मतलब यह है कि हमारा मन व्यवस्थित होना चाहिए तभी चमक बनेंगी। इसलिए हमेशा इस बात को याद रखना होगा कि अगर मन व्यवस्थित होगा तो चमक भी बराबर बनी रहेगी।

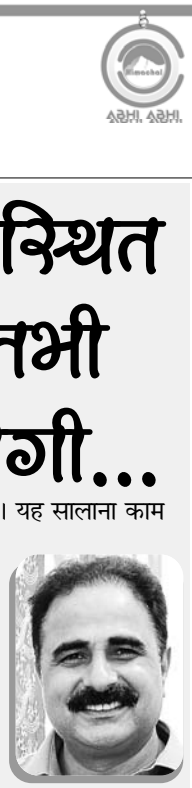

–डॉ. राजेश शर्मा, चेयरमैन
श्री बालाजी मीडिया इनोवेशन्स
प्राइवेट लिमिटेड

इस दिन उनकी विशेष पूजा की जाती है और उनसे घर में सुख समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद देने की प्रार्थना की जाती है।

धार्मिक तौर पर दिवाली का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। इस लेख के माध्यम से जानते हैं दिवाली के दिन आपको अपनी राशि के अनुसार किस मंत्र का जाप करना चाहिए...

राशि अनुसार मंत्र का जाप...

हिंदू धर्म के मानने वालों के लिए दिवाली एक बड़ा त्योहार है। इस दिन माता लक्ष्मी और गणपति भगवान की पूजा की जाती है। इस दिन उनकी विशेष पूजा की जाती है और उनसे घर में सुख समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद देने की प्रार्थना की जाती है। धार्मिक तौर पर दिवाली का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। इस लेख के माध्यम से जानते हैं दिवाली के दिन आपको अपनी राशि के अनुसार किस मंत्र का जाप करना चाहिए।

- **मेष राशि :** इस दिवाली पर जीवन में शुभता बढ़ाने के लिए ***ऊं विश्वजननी नमः*** मंत्र का जाप पूरी श्रद्धा के साथ करें।
- **वृषभ राशि :** इस दिवाली पर आप ***ऊं अशोका नमः*** मंत्र का जप करें।
- **मिथुन राशि :** मिथुन राशि के जातकों को **ऊं पद्मिनी नमः** मंत्र का जप करने से मानसिक सुख मिलेगा।
- **कर्क राशि :** इस दिवाली कर्क राशि के जातकों को ***ऊं चंद्रवदना नमः*** मंत्र का 108 बार जाप करने से लाभ मिलेगा।
- **सिंह राशि :** इस दीपावली के मौके पर आप ***ऊं हिरण्यमयी नमः*** मंत्र का जाप पूरी आस्था के साथ करें।
- **कन्या राशि :** कन्या राशि के जातकों के लिए ये दिवाली बेहद शुभ रहेगी। आपके लिए ***ऊं वाचि नमः*** मंत्र का जाप फलदायी रहेगा।
- **तुला राशिः** आपके लिए इस दिवाली पर ***ऊं शुचि नमः*** मंत्र का जाप करना उत्तम रहेगा।
- **वृश्चिक राशि :** दीपावली उत्सव के दिन ***ऊं प्रकृति नमः*** का जाप करना लाभकारी रहेगा। आपके लिए हनुमान चालीसा का नित्य पाठ करना भी शुभ है।
- **धनु राशि :** सभी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए धनु राशि के जातकों को ***ऊं सौम्या नमः*** मंत्र का जाप करना चाहिए।
- **मकर राशि :** जीवन में यश, सुख, समृद्धि का वास चाहते हैं तो ***ऊं सिद्धि नमः*** मंत्र का जाप करें।
- **कुंभ राशि :** कुंभ राशि के जातकों को इस दिवाली हर क्षेत्र में अच्छे नतीजे प्राप्त हो सकते हैं। आपके लिए ***ऊं नित्यपुष्टा नमः*** का जाप करना विशेष फलदायी रहेगा।
- **मीन राशि :** इस राशि के लोगों को दिवाली के दिन ***ऊं वरारोहा नमः*** मंत्र का जाप करने से शुभता की प्राप्ति होगी।

धनतेरस

दिवाली से पहले कार्तिक मास की त्रयोदशी को धनतेरस मनाया जाता है। इसे धन्वंतरि जयंती भी कहलाता है। इस दिन धातु, सोने आदि की वस्तु खरीदकर लाते हैं। इस दिन आयुर्वेद के देलता कहे जाने वाले धन्वतरी जी की भी पूजा की जाती है। वही शाम को यमदीप भी जलाया जाता है। यह साल का पहला ऐसा दिन होता है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि धनतेरस पर धन्वंतरी जी की पूजा से आरोग्यता और यमराज की पूजा से अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है।

शाम को चार मुखी दीपक घर के दरवाजे पर जलाया जाता है। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर यम का पूजन किया जाता है। मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की संतानें होने से आपस में भाई-बहन हैं , इसलिए इस दिन यमुना में स्नान भी किया जाता है। इसके अलावा धन के देवता कुबैर जी की भी इस दिन पूजा की जाती है। खासकर व्यापरी वर्ग अपने संस्थानों में इस दिन खास पूजा करते हैं। कहते हैं कि इस दिन पूजा अर्चना से चल अचल संपत्ति में कई गुना वृद्धि होती है।

13 नवंबर को खरीदारी का शुभ मुहूर्त-
सुबह 5:59 से 10:06 बजे तक।
सुबह 11:08 से दोपहर 12:51 बजे तक।
दोपहर 3:38 मिनट से शाम 5:00 बजे तक।

• पूजा स्थल...

मां लक्ष्मी का चित्र...

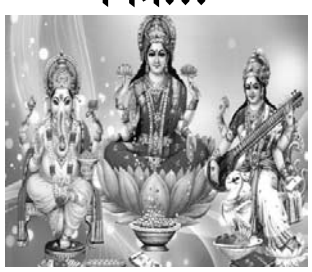

दीपावली पर मां लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। मां लक्ष्मी की कृपा से ही धन और वैभव की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि धन की देवी मां लक्ष्मी इस दिन घर में प्रवेश करती हैं। यहां यह प्रश्न उठता है कि मां लक्ष्मी का कौन सा चित्र लगाना शुभ है।

- दीपावली के दिन ऐसा चित्र पूजा के लिए नहीं लगाएं जिसमें मां लक्ष्मी अकेले हों। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अकेली लक्ष्मी मां के चित्र का पूजन नहीं करनी चाहिए। दीपावली को सदा ऐसे चित्र की पूजा करने चाहिए जिसमें मां लक्ष्मी, भगवान गणेश व सरस्वती के साथ हो।
- ऐसा चित्र बहुत शुभ होता है जिसमें मां सरस्वती, मां लक्ष्मी और गणेशजी के दोनों तरफ हाथी अपनी सूंड को उठाए हुए हों। माना जाता है कि ऐसे चित्र के पूजन से साल भर आपके घर में धन संपदा की कमी नहीं रहती।
- चित्र में माता लक्ष्मी के पैर दिखाई नहीं देते हों अन्यथा लक्ष्मी घर में लंबे समय तक नहीं टिकती। इसलिए बैठी हुई लक्ष्मी को ही सर्वश्रेष्ठ माना गया है इसलिए मां लक्ष्मी का कमल पर विरामान चित्र ही दिवाली के लक्ष्मी पूजन के लिए श्रेष्ठ माना गया है।

• इस मंत्र का जाप...

तंत्र–मंत्र की साधनाओं के लिए दिवाली की रात को फलदायी माना जाता है। इस दिन बाधाओं का खत्म करने और सुखी जीवन के लिए कई उपाय किए जाते हैं। दिवाली पर उल्लू तंत्र के कुछ उपायों को आजमाकर आप भी अपने कार्यों में आ रही बाधाओं को आसानी से दूर कर सकते हैं। घर में किसी प्रकार की बाधा हो तो दीपावली की रात में उल्लू पर विराजी या उल्लू के साथ मां लक्ष्मीजी की प्रतिमा के समक्ष लाल चंदन की माला से जाप करें। साथ ही माला के साथ इस नवग्रह शांति मंत्र को पढ़ें *ऊं हीं नवग्रह बाधा दूर कुरु कुरु स्वाहा* इस दिन मंत्र जाप करने से निश्चित ही घर की दरिद्रता दूर कर मां लक्ष्मीजी मनोकामना की पूर्ति करती है।